जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 189 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 12 मई, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'पहली बार आर.पी.एस.सी. मेंबर गिरफ्तार हुआ, इसके तार और कहीं तक जुड़े हैं?'

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सचिन पायलट ने साधा निशाना, जनसंघर्ष पदयात्रा पहले दिन किशनगढ़ में समाप्त हुई

जयपुर, 11 मई (का.प्र.)। पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट एक महीने में दूसरी बार अपनी ही सरकार के खिलाफ मैदान में उतरे हैं। उनकी जनसंघर्ष यात्रा अजमेर से जयपुर के लिए निकली है।

- पोस्टर में गांधी, अंबेडकर, भगत सिंह, नेहरू, इंदिरा गांधी, सोनिया गांधी की फोटो हैं, लेकिन, खड़गे, राहुल, प्रियंका गायब हैं, हाथ का निशान भी नहीं।
- डोटासरा बोले, यह उनकी निजी यात्रा है, पार्टी से कोई इजाजत नहीं ली।

वे पेपर लीक मुद्दे और करप्शन के खिलाफ पांच दिन की पदयात्रा करेंगे।

इस यात्रा को लेकर कांग्रेस में कई तरह की चर्चाएं हैं, क्या सचिन पायलट नई पार्टी बनाने जा रहे हैं या फिर पार्टी

(शेष पृष्ठ 5 पर)

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट की जन संघर्ष यात्रा गुरुवार को अजमेर से शुरु हुई। यात्रा के दौरान अपने संबोधनों में पायलट ने आर.पी.एस.सी. पेपर लीक, जमीन लीज़ व अन्य घोटालों के संदर्भ में बिल्कुल मुखर होकर सरकार की आलोचना की। पदयात्रा में सचिन पायलट के साथ बहुत बड़ा जन समूह चल रहा था।

'पायलट की रैली होती है तो गुर्जर समाज को परेशान किया जाता है'

सुजानगढ़, 11 मई (निसं)। पथिक सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महावीर पोसवाल ने पुलिस एवं इंटैलिजैंस पर गुर्जर समाज के लोगों व सामाजिक संगठनों को परेशान करने का आरोप लगाया है। महावीर पोसवाल ने नया बास स्थित पथिक सेना के राष्ट्रीय कार्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि गहलोत की सचिन पायलट के जयपुर प्रदर्शन,

- गुर्जर समाज के संगठन, पथिक सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महावीर पोसवाल ने कहा कि, पायलट की रैली होने पर गहलोत की पुलिस गुर्जर समाज के लोगों से पूछताछ करती है कि, रैली में कितने लोग गए थे।

बाड़मेर व खेतड़ी में हुई सभा व अजमेर से शुरू हुई यात्रा में कितनी भीड़ गई यह पूछ पूछ कर गहलोत की पुलिस गुर्जर समाज के लोगों व संगठनों को परेशान कर रही है। पार्टी के नेताओं की आपसी राड में मुख्यमंत्री गहलोत गुर्जर समाज को घसीट रहे हैं। पोसवाल ने कहा कि सीएम गहलोत की फितरत रही है कि वे नेताओं को आपस में लड़ाते हैं।

पोसवाल ने कहा कि पायलट के भष्ट्राचार के मुद्दे पर मुख्यमंत्री को जांच करवानी चाहिए ना कि गुर्जर समाज के

(शेष पृष्ठ 5 पर)

डी.यू. ने राहुल गांधी को नोटिस भेजा "ट्रैसपासिंग" के खिलाफ

क्या यह कदम केन्द्र सरकार के दबाव में उठाया गया है?

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 मई। स्वतंत्रता आंदोलन तथा उसके बाद के दिनों से ही, शैक्षणिक संस्थाएं, जिनमें विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शामिल हैं, लोकतंत्र के पालने के रूप में रहे हैं तथा अनगिनत नेताओं का निर्माण एवं पोषण करते रहे हैं। और ये नेता आगे चलकर अपने-अपने कार्य क्षेत्रों, जिनमें राजनीति भी शामिल है, में चमकते रहे हैं।

इसलिये, कांग्रेस नेता राहुल गांधी को, उनके द्वारा गत सप्ताह "एकाएक" दिल्ली विश्वविद्यालय पहुँचने तथा विद्यार्थियों के एक ग्रुप के साथ संवाद करने के सिलसिले में विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया नोटिस मानवीय तार्किकता से परे एवं बेतुका प्रतीत होता है। नोटिस में कहा गया है कि "एक राष्ट्रीय दल के जैड प्लस-सुरक्षा प्राप्त नेता का इस प्रकार का आचरण गरिमा से परे है।"

2014 में, जब से भाजपा सरकार सत्ता में आई है, भाजपा-शासित राज्यों के केन्द्रीय विश्वविद्यालय तथा शैक्षणिक संस्थान, अनुशासन के नाम पर, भाषण की स्वतंत्रता, विरोध-प्रदर्शन के अधिकार तथा सभा करने की स्वतंत्रता जैसी मूलभूत स्वतंत्रताओं पर नियंत्रण करने तथा उनमें कटौती करने की कोशिश करते आ रहे हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि अनुशासन, शैक्षणिक

- दिल्ली यूनिवर्सिटी के वी.सी. योगेश सिंह के करीबी सूत्रों ने दावा किया कि, राहुल गांधी के डी.यू. हॉस्टल आने पर केन्द्र सरकार ने नाराजगी जताई थी।
- हालांकि डी.यू. प्रशासन ने दावा किया है कि, यह कार्यवाही विद्यार्थियों व स्वयं राहुल की सुरक्षा को ध्यान में रख कर की गई है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

रोचक व लंबी कहानी है, गहलोत कैसे सोनिया व राहुल को अंगूठा दिखाकर मुख्यमंत्री पद पर बने हुए हैं

गहलोत ने कैसे प्रियंका को न्यूट्रलाइज़ किया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 मई। राजनैतिक हल्कों में इस बात को लेकर बहुत ज्यादा अटकलें एवं अनुमान लगाये जा रहे हैं तथा उत्सुकता एवं बेचैनी है कि आखिर ऐसा क्यों और कैसे हुआ कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पद पर बने रहने दिये गये तथा मुख्यमंत्री पद से हटाये नहीं गये, जबकि उन्होंने सोनिया गांधी के खिलाफ खुला विद्रोह किया था तथा गांधी परिवार का अनादर किया था।

इस संबंध में एक उड़ती खबर भी है। राजस्थान तथा गुजरात की सीमा पर एक जैन मुनि का निवास है। उनके कई प्रतिष्ठित एवं सुप्रसिद्ध चेले हैं, जिनमें अमित शाह और गौतम अडानी जैसे प्रतिष्ठित लोग भी शामिल हैं।

अशोक गहलोत ने जैन मुनि से सम्पर्क स्थापित किया तथा उनसे कहा कि गौतम अडानी के साथ उनकी मीटिंग करा दें। और गुरु जी ने ऐसा कर दिया।

गहलोत-अडानी की कहानी के जानकार लोगों का कहना है कि अडानी ने प्रधानमंत्री मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह से बात की। उन्होंने कुछ कांग्रेस नेताओं से बात की। इनमें रॉबर्ट वाड्रा भी थे। समझा जाता है कि वाड्रा ने प्रियंका गांधी को सचिन पायलट के समर्थन पर ज्यादा जोर न देने के लिये राजी किया क्योंकि वे बदलाव की जबरदस्त हिमायती थीं तथा चाहती थीं कि पायलट मुख्यमंत्री बनाये जायें।

सोनिया गांधी से बात करने की जिम्मेदारी अम्बिका सोनी को दी गई,

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- बताया जाता है कि, गहलोत के इस प्रयास में अडानी, अंबिका सोनी, सुरजेवाला का काफी सहयोग रहा।
- सूत्रों के अनुसार सबसे ज्यादा अडानी का सहयोग रहा, जिन्होंने गहलोत के लिए न केवल गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को साधा, बल्कि रॉबर्ट वाड्रा को भी समझा दिया।
- सूत्रों ने कहा कि रॉबर्ट वाड्रा ने ही प्रियंका, जो कि पायलट की मुखर समर्थक रही हैं, को पायलट के प्रति समर्थन हल्का करने के लिए मनाया।
- बताया जाता है कि, अंबिका सोनी ने सोनिया गांधी को मनाया, तो सुरजेवाला ने राहुल गांधी को समझा दिया कि, सचिन युवा हैं उनके पास बहुत समय है, इसलिए उन्हें मुख्यमंत्री बनाने में जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं है।

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

2700 करोड़ रू. ठगने वालों की जमानत याचिका पर सुनवाई आज

जयपुर, 11 मई (का.सं.)। सीकर के हजारों लोगों से 2700 करोड रुपए से अधिक की ठगी करने के आरोप में कई महीनों से जेल में बंद नैक्सा एवरग्रीन कंपनी के निदेशक रणवीर सिंह बिजारणिया, सुभाष चन्द्र बिजारणिया, बोधू राम और गोपाल सिंह की जमानत याचिकाओं पर हाईकोर्ट में

- सीकर की नैक्सा एवरग्रीन कम्पनी के निदेशक रणवीर सिंह, सुभाष चन्द्र, बोधू राम व गोपाल सिंह पर हजारों लोगों से 2700 करोड़ रूपए ठगने का आरोप है।

शुक्रवार को जस्टिस भुवन गोयल की एकलपीठ सुनवाई करेगी।

याचिकाकर्ताओं ने जमानत याचिकाओं में कहा है कि, उनका शिकायतकर्ता से राजीनामा हो गया है। ऐसे में उन्हें जमानत पर रिहा किया जाए।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

भाजपा को दो झटके लगे सुप्रीम कोर्ट में

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 मई। भाजपा को आज के दिन दोहरे झटके लगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पिछले वर्ष जून माह में शिव सेना विधायकों के एक ग्रुप के विद्रोह के बाद महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने फ्लोर टैस्ट का आ ान कर गलती की। शीर्ष अदालत ने अपने एक अलग निर्णय में फैसला दिया कि दिल्ली सरकार का राज्य की प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण है और वास्तविक सत्ता निर्वाचित सरकार के पास होनी चाहिए। इसका मतलब यह है कि दिल्ली सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों को अब लैफ्टिनैंट गवर्नर के ऑफिस से अनुमोदित कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

शिव सेना के प्रकरण में, सुप्रीम कोर्ट ने कोश्यारी के निर्णय को "अनुचित" बताया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद पर बहाल नहीं किया जा सकता क्योंकि उन्होंने फ्लोर टैस्ट का सामना किए बिना ही इस्तीफा दे दिया चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) डी.वाय. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान बैंच ने उल्लेख किया कि राज्यपाल ने विपक्ष के तत्कालीन नेता देवेन्द्र फड़नवीस और सात निर्दलीय विधायकों द्वारा लिखे गये एक पत्र पर ही भरोसा किया, जिसमें उनसे अनुरोध किया गया था कि वह ठाकरे को सदन में अपना बहुमत सिद्ध करने के लिए फ्लोर टैस्ट के निर्देश दें। कोर्ट ने टिप्पणी की कि "फड़नवीस और अन्य विधायक एक अविश्वास प्रस्ताव भी पेश कर सकते थे। उन्हें ऐसा करने से किसी ने नहीं रोका था।"

दिलचस्प बात यह है कि, ठाकरे और शिंदे, दोनों ही धड़े सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को अपनी-अपनी जीत बता रहे हैं। ठाकरे ने कोर्ट के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि एकनाथ शिंदे और देवेन्द्र फड़नवीस में यदि कोई नैतिकता है, तो दोनों को ही इस्तीफे देने चाहिए। दूसरी ओर शिंदे ने कोर्ट के फैसले को "सत्य की जीत" बताया। सुप्रीम कोर्ट शिव सेना के शिंदे गुट से संबंधित 16 विधायकों के डिस्क्वालिफिकेशन के मुद्दे पर सुनवाई कर रहा था। तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा आयोजित पार्टी की एक मीटिंग में उपस्थित ना होने को लेकर शिंदे सहित इन विधायकों को

- सुप्रीम कोर्ट ने, महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी द्वारा राज्य में शिव सेना विद्रोह के बाद फ्लोर टैस्ट करवाने को गलत करार दिया है।
- एक अन्य फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि, दिल्ली सरकार का सभी सेवाओं पर पूर्ण नियंत्रण है और दिल्ली की निर्वाचित सरकार को उप राज्यपाल की अनुमति लेने की जरूरत नहीं है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

आदर्श घोटाले के आरोपियों ने मांगी डिफॉल्ट बेल

जयपुर, 11 मई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने, देश के 28 राज्यों में सैकडों ब्रांच खोलकर बीस लाख लोगों से निवेश के नाम पर 15 हजार करोड़ रुपए से भी ज्यादा का घोटाला करने वाली आदर्श क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी के निदेशक राहुल मोदी सहित अन्य की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। एक्टिंग

- राजस्थान हाई कोर्ट ने आरोपियों की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। आरोप है कि, आदर्श क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी ने 28 राज्यों में सैकड़ों ब्रांच खोलकर 15,000 करोड़ रू. का घोटाला किया है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'राजनीति आग का दरिया है और इसे तैरकर पार करना है'

पायलट ने यह वक्तव्य देकर हजारों लोगों के साथ अजमेर से "जन संघर्ष पदयात्रा" शुरू की

अजमेर, 11 मई (कासं)। "राजनीति आग का दरिया है और इसे तैरकर पार करना है।" इस एक लाइन के वक्तव्य से समझा जा सकता है कि इन दिनों राजस्थान में राजनैतिक सनसनी बने कांग्रेस नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट किस तरह से अपनी राजनीति को एक नई दिशा देने की कोशिश कर रहे हैं। पायलट ने अपनी ही सरकार में कथित रूप से पनप रहे भ्रष्टाचार को निशाना बनाते हुए जन संघर्ष यात्रा आरंभ की और इस दौरान जनता को संबोधित करते हुए उक्त बात कही थी।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने गुरूवार को अजमेर से अपनी जन संघर्ष यात्रा की शुरुआत की तो उनके तीखे तेवर काबिल ए-गौर थे। पायलट ने मंच से तलवार लहरा कर यात्रा का शुभारंभ किया। पायलट ने अपने सम्बोधन में भले ही किसी का नाम ना लिया हो लेकिन प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला। पेपर लीक मामले में पायलट ने अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि "आखिर पेपर लीक मामले में बिना किसी जांच के ही क्यों यह कह दिया कि इस मामले में कोई अधिकारी या राजनेता लिप्त नहीं है और अब जब आरपीएससी मेंबर बाबूलाल कटारा की गिरफ्तारी हो गयी तो फिर एक दलाल की बिल्डिंग तोड़ने वाली सरकार कटारा के घर पर बुलडोजर क्यों नहीं चला रही है।"

- पायलट ने पेपरलीक पर सरकार पर निशाना साधा व कहा, "सरकार पेपरलीक के आरोपी कटारा के घर पर बुलडोज़र क्यों नहीं चला रही है।
- पांच दिन में 125 किलोमीटर दूरी तय कर जयपुर पहुंचेगी संघर्ष यात्रा।

सचिन पायलट ने अपनी जन संघर्ष यात्रा का आगाज़ तलवार लहराकर किया। इस मौके पर पायलट ने, मई की तपती धूप में पदयात्रा करने को लेकर पूछे गए सवालों के जवाब में कहा, "राजनीति आग का दरिया है और इसे तैरकर पार करना है।"

पायलट ने कहा कि कांग्रेस के निष्ठावान विधायकों पर आरोप लगाए जा रहे हैं। पायलट ने कहा कि हेमाराम जैसे विधायक पर आरोप लगाए गए है कि उन्होंने पैसे लेकर सरकार गिराने की कोशिश की जबकि हेमाराम का परिवार अपनी करोड़ों रूपये कीमती जमीन जनहित में दान कर चुका हैं। पायलट ने आम जनता से अपील की कि भ्रष्टाचार के खिलाफ इस लड़ाई को मजबूती प्रदान करें क्यों कि यह लड़ाई युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए लड़ी जा रही है। पायलट ने जन सभा को सम्बोधित करने के बाद सभा स्थल से ही अपनी पैदल जन संघर्ष यात्रा की शुरुआत की। सबसे बड़ी बात यह थी कि पायलट की इस जन संघर्ष यात्रा में मंच पर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी की तस्वीर तो नजर आई लेकिन ना तो कांग्रेस का सिंबल 'हाथ' का निशान दिखा और न ही कांग्रेस का झंडा दिखाई दिया। पायलट की अजमेर से शुरू हुई जन संघर्ष यात्रा पांच दिन में 125 किलोमीटर का सफर तय कर के जयपुर पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि हमारे परिवार पर विपक्ष भी उंगली नही उठा सकता है क्यों कि मेरे माता-पिता से लेकर मेरे पर एक भी फूटी कौडी का आरोप नही है।

पायलट ने वसुंधरा राजे सरकार के कार्यकाल में हुए खान घोटाले पर कार्रवाई न होने को लेकर गहलोत पर निशाना साधा। पायलट ने कहा कि 40 हजार करोड़ का घोटाला हुआ, हमने सारी लीज़ कैंसिल कर दी थी। हमने सीबीआई, सीवीवी की मांग की, हमने खान घाटाले की जांच की मांग की। लेकिन अब तक वह कुछ नहीं हुआ है। इसालए हमने सड़कों पर आना पड़ा है।

इससे पहले पायलट करीब सवा 12 बजे अजमेर रेलवे स्टेशन पर पहुंचे,

(शेष पृष्ठ 5 पर)